अत्यतं गोपनीय - के वल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना HISTORY

SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/3/2

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

MARKING SCHEME HISTORY-027
CLASS XII A I S S C E-March 2020
CODE NO. 61/3/2

Q.NO.	EXPECTED ANSWERS/VALUE POINTS	PAGE NO.	MARKS
	SECTION - A		
1.	गुजरात	Pg - 2	1
2.	D – डच बॉम्बे में	Pg – 319	1
3.	माउंट आबू और दार्जिलिंग	Pg – 327	1
4.	D, II-IV-I-III	Pg – 314	1
5.	नव गोथिक	Pg – 341	1
6.	A – A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।	Pg – 296	1
7.	जिओवन्नी करेरी	Pg – 216	1
8.	कमल महल	Pg – 181	1
9.	तालीकोटा की लड़ाई / राक्षसी तांगड़ी की लड़ाई	Pg – 173	1
10.	किताब उल हिन्द		1
11.	हरिहर और बुक्का	Pg – 171	1
12.	हजारा राम मंदिर	Pg – 183	1

13.	दिल्ली और दौलताबाद	Pg – 127	1
14.	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या एस एन रॉय	Pg – 20 Pg- 20	1
15.	कैलाशनाथ मंदिर (महाराष्ट्र) नेत्रहीनों के लिए कृष्णा	Pg – 107 Pg – 104	1
16.	बोधिसत्व को उनके प्रयासों के माध्यम से योग्यता प्राप्त करने वाले गहन दयालु मानव के रूप में माना जाता था। अथवा वाल्टर एलियट गुंटूर (आंध्र प्रदेश) के आयुक्त थे जिन्होंने अमरावती का दौरा किया और मद्रास के लिए कई मूर्तिकला पैनलों को ले गए जिन्हें एलियट मार्बल्स कहा जाने लगा।	Pg – 103 Pg - 98	1
17.	C - I, II and III	Pg – 108	1
18.	D – अमरावती के नष्ट होने के बाद ही विद्वान स्थल परसंरक्षण का महत्त्व समझ सके.	Pg – 98	1
19.	D –. महाजनपदों का उद्भव और लोहे का उपयोग	Pg – 84	1
20.	C – IV, I, III, II	Pg – 137	1
	SECTION - B		

21.	**भारत छोड़ो आंदोलन निस्संदेह एक जन आंदोलन था।** i. आंदोलन का आंरंभ महात्मा गांधी ने किया था ii. हजारों भारतीय एक साथ शामिल हुए। iii. हड़तालें आयोजित की गईं। iv. छात्रों ने कॉलेज छोड़ दिया। v. आंदोलन में महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। vi. वकीलों ने अदालतों को छोड़ दिया। vii. स्वतंत्र सरकारें घोषित की गईं। viii. लोगों ने महात्मा गांधी "करो या मरो" के नारे का पालन किया और राष्ट्र के लिए अपना जीवन लगाने को तैयार थे। ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या .	Pg – 363	3
22.	**हड़प्पा धर्म के कई पुनर्निर्माण मान्यताओं** i. देवी की मृणमूर्ति ii. पुरोहित राजा iii. योगी- आद्य शिवा (प्रोटो-शिव) - जानवरों से घिरा iv. - शंकाकार आकार की पत्थर की वस्तुएँ। v. वेदियां vi. विशाल स्नानागार vii. प्रकृति की पूजा viii. एकशृंगी ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन की उदाहरणों सहित व्याख्या **अथवा** **हड़प्पा का रूपान्तरण ग्रामीण जीवन पद्धति की ओर** i. कलाकृतियों का ह्रास हर, माला और मिट्टी के बर्तन।	Pg – 23	3

	ii. लंबी दूरी के व्यापार, शिल्प विशेषज्ञता गायब हो गई। iii. आवास निर्माण के तरीको का ह्रास iv. हरप्पा स्थलों की भौतिक संस्कृति में बदलाव v. ग्रामीण जीवन शैली की ओर vi. स्थानीय भार के उपयोग के लिए एक मानकीकृत वजन प्रणाली से बदलाव। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी तीन उदाहरणों का आकलन	Pg - 17	3
23.	. **रैयतवारी प्रथा** i. राजस्व को रैयतों के साथ व्यवस्थित किया गया ii. राजस्व की मांग इतना अधिक था कि रैयत भुगतान करने में सक्षम नहीं थे। वे अपने गांवों को छोड़कर पलायन कर गए। iii. कलेक्टरों ने रैयतों से भुगतान को अत्यंत गंभीरता से लिया। iv. ऋण का भुगतान करने में असमर्थता के कारण फसलों की जब्ती हुई और पूरे गांव पर जुर्माना लगाया गया। v. रैयतों ने ऋणदाताओं से उच्च ब्याज दर पर ऋण उधार लिया। vi. रैयत क़र्ज़ में डूब गए vii. रैयत साहूकारों को कुटिल समझते थे viii. बांध पत्रों में जाली आंकड़े देते थे ix. सीमा कानून, प्रथागत कानूनों का उल्लंघन किया गया। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी तीन बिंदु उदाहरण के साथ	Pg 282	3
24.	**मुगल घरेलू जीवन में पत्नियों के बीच अंतर:** i. बेगम- जो शाही और कुलीन परिवारों से आती थीं, को भारी मात्रा में नकद और महर प्राप्त होता था। उन्हें उच्च दर्जा दिया गया था। ii. अगहा - जिनका जन्म कुलीन परिवार में नहीं हुआ		

	iii. आघाछा या उप पत्नियां -, मासिक भत्ता और उपहार मिलते थे iv. शासक की इच्छा के आधार पर बेगमों की स्थिति में वृद्धि हो सकती v. अगहा और आगच्छा भी बेगम की स्थिति पा सकती थी vi. प्रेम और मातृत्व ने विधिसम्मत विवाहिक पत्नियों का दर्जा दिलाने में मदद करता था vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन की व्याख्या	Pg – 242	3
	SECTION - C		
25.	**इतिहासकारों ने महाभारत का विश्लेषण करते कई तत्वों पर विचार किया** i. **भाषा** - इतिहासकारों ने विभिन्न भाषाओं जैसे संस्कृत, प्राकृत, पाली या तमिल में ग्रंथों की जांच की। ii. **विषय वस्तु** - इतिहासकार वर्तमान पाठ की विषय वस्तु को दो व्यापक शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत करते हैं - आख्यान और उपदेशात्मक a) आख्यान -जिनमें कथाएँ कथा के रूप में निर्दिष्ट हैं। b) जिन अनुभागों में उपदेशात्मक के रूप में निर्दिष्ट सामाजिक मानदंडों के बारे में नुस्खे हैं। c) यह विभाजन किसी भी तरह से एकांकी नहीं है। उपदेशात्मक खंड में कहानियां शामिल हैं और कथा में अक्सर एक सामाजिक संदेश शामिल होता है। iii। ले**खक** - मूल कथा के रचयिता भाट सारथी थे जिन्हे सूत कहा जाता था ये क्षेत्रीय योद्धाओं के साथ युद्ध क्षेत्र में जाते थे उनकी रचनाएँ मौखिक रूप से प्रसारित होती थीं।		

	a) ब्राहमणों ने ने कथा परंपरा पर अपना अधिकार कर लिया b) नए राजा अपने इतिहास को नियमित रूप से लिखना चाहते थे c) बाद में ऋषि व्यास द्वारा रचित महाभारत। iv. **तिथियां** a) . इतिहासकार भी ग्रंथों की रचना या संकलन की संभावित तारीखों के साथ-साथ उस स्थान कीजानने भी कोशिश करते हैं, जहाँ उनकी रचना हुई होगी। b) ईसा पूर्व पाँचवीं शताब्दी के प्रारंभ में, महाभारत मौखिक रूप से प्रसारित हुआ था। c) पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व से, यह ब्राह्मणों द्वारा लिखा गया था। d) C200 और 200 CE के बीच - कृष्ण महत्व में बढ़ने पर रचनाएँ की गईं। e) C200 से 400 CE के बीच मनुस्मृति जैसे बड़े सिद्धान्तों को जोड़ा गया। किन्हीं चार बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **महाभारत बंधुता और सामाजिक संबंधों पर आधारित कहानी है।** i. बंधुता - प्राकृतिक और रक्त संबंधों पर आधारित पारिवारिक संबंध। इतिहासकारों ने परिवार और रिश्तेदारी के प्रति दृष्टिकोण की जांच और विश्लेषण किया। ii. पितृ वंशिकता के विचार - महाभारत ने इस विचार को पुष्ट किया, भूमि और शक्ति पर झगड़ा कौरवों और पांडवों के बीच था जो कौरवों के एक ही शासक परिवार से थे। iii. विवाह के प्रकार - अंत विवाह , बहि बिवाह.बहुपत्नी विवाह ,बहुपति विवाह का पालन किया गया।	Pg– 72-76	4x2=8

	iv. कन्यादान या विवाह में बेटी का उपहार पिता का एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना जाता था। v. महिलाओं के गोत्र - महिलाओं से अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने पिता के गोत्र को त्याग दें और अपने पति के विवाह पर उसे अपना लें। vi. उसी गोत्र के सदस्य विवाह नहीं कर सकते थे। vii. प्रत्येक गोत्र का नाम एक वैदिक द्रष्टा के नाम पर रखा गया था। viii. मातृसत्तात्मक समाज - सातवाहनों में माताओं के गोत्र से प्राप्त नाम थे। ix. गुरु शिष्य परम्परा - एकलव्य और द्रोणाचार्य की कहानी। x. माँ की सलाह का महत्व - पांडवों ने माँ की सलाह के बाद द्रौपदी से शादी की। हालाँकि, गांधारी द्वारा अपने पुत्र दुर्योधन को दी गई सलाह का पालन नहीं किया गया था। xi. महिलाओं का उत्तराधिकार - यद्यपि सामान्य महिलाओं के पास भूमि तक पहुंच नहीं थी, रानी प्रभाती गुप्ता के पास भूमि पर अधिकार थे जो उन्होंने दान में दिए थे xii. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों के नियमों का हमेशा पालन नहीं किया गया। उदाहरण के लिए, गैर-क्षत्रिय ब्राह्मण भी शासक बन गए। xiii. बुद्धिमानों की तरह विवाह के आठ रूपों को मान्यता दी गई थी लेकिन केवल चार को ही अच्छा माना गया था जबकि शेष की निंदा की गई थी। xiv. यह संभव है कि इनका पालन उन लोगों ने किया जो ब्राह्मणवादी मानदंडों को स्वीकार नहीं करते थे। xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी आठ उदाहरणों का आकलन .	Pg– 55-60	8
26.	**कबीर** कबीर के छंद कबीर बीजक और कबीर ग्रंथ वली में संरक्षित हैं। i. वह सामाजिक परिस्थितियों पर स्पष्ट और निहित संवादों में संलग्न एक कवि संत थे।		

	ii. iपरम वास्तविकता को अल्लाह, ख्वाजा, खुदा, हजरत और पीर के रूप में वर्णित करने के लिए कबीर ने कई परंपराओं को अपनाया। iii. उन्होंने वेदांत परंपराओं से प्राप्त शब्दों का भी इस्तेमाल किया। iv. प्रयुक्त शब्द जैसे अलख, निराकार, आत्मान v. शबदा या शुन्य जैसी रहस्यमय धारणाओं के साथ अन्य शब्द योगिक परंपराओं से लिए गए हैं। vi. उन्होंने हिंदू बहुदेववाद और मूर्ति पूजा की निंदा की। vii. ज़िक्र और इश्क की सूफी अवधारणा का इस्तेमाल किया। viii. नाम-सिमरन के हिंदू अभ्यास पर जोर दिया। ix. कबीर उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जिन्होंने दिव्य की खोज में धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं, विचारों और प्रथाओं पर सवाल उठाए। x. सांप्रदायिक सद्भाव पर जोर दिया। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी आठ बिंदुओं का आकलन किया जाना है। **या** **अल्वार और नयनार** i. वे विष्णु (अलवर) और शिव (नयनार) के तमिल भक्त थे ii. उन्होंने अपने देवताओं की प्रशंसा में तमिल में भजन गाते हुए जगह-जगह से यात्रा की। iii. उन्होंने अपने चुने हुए देवता के निवास के रूप में बड़े मंदिर बनाए गए जो तीर्थ के केंद्र के रूप में विकसित हुए। iv. उन्होंने जाति व्यवस्था और ब्राह्मणों के वर्चस्व का विरोध किया। v. अलवर के प्रमुख एंथोलॉजी:नलायिरा दिव्यप्रबंधम, जिसे तमिल वेद के रूप में जाना जाता है। vi. उनकी महिला श्रद्धालु कराईकल अम्मैय्यर, शिव की भक्त और अंदल विष्णु की भक्त हैं। vii. उन्होंने तपस्या का मार्ग अपनाया। viii. उन्होंने पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती दी।	Pg – 161	8

	ix. उन्हें चोल शासकों का समर्थन मिला और उन्होंने गंगईकोंडचोलपुरम, चिदंबरम और तंजावुर जैसे मंदिरों का निर्माण किया। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी आठ बिंदुओं का आकलन किया जाना है।	Pg - 145	8
27.	**भारत की सांप्रदायिक राजनीति और विभाजन के कारण** बीसवीं सदी के शुरुआती दशक एक सांप्रदायिक राजनीति के खात्मे के रूप में विभाजन (i)रूढ़िवादी सोच (ii) 1909 में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन (iii) दिसंबर 1916 की कांग्रेस का लखनऊ सम्मलेन (iv) आर्य समाज का गठन (v) 1920 के दौरान मस्जिद से पहले संगीत (vi) आर्य समाज की 1920- 1930 के दशक की शुद्धि आंदोलन (vii) सांप्रदायिक कार्यकर्ताओं द्वारा तबलीग आंदोलन (प्रचार) । (viii) सांप्रदायिक कार्यकर्ताओं द्वारा तंजीम संगठन (ix) 937 के प्रांतीय चुनाव में कांग्रेस का मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार के प्रस्ताव को अस्वीकार करना (x) हिंदू महासभा का गठन (1916) (xi) 23 मार्च 1940 को मुस्लिमों द्वारा पाकिस्तान प्रस्ताव (xii) 1945 के दौरान और युद्ध के बाद के घटनाक्रम – सांप्रदायिक परिषद। (xiii) केबिनेट मिशन की विफलता - (xiv) डायरेक्ट एक्शन डे - कैबिनेट को अपना समर्थन वापस लेने के बाद मिशन, मुस्लिम लीग ने "डायरेक्ट एक्शन के लिए निर्णय लिया 16 अगस्त 1946 को अपनी पाकिस्तान की माँग पर विजय। (xv) 1946 से 1947 तक कानून और व्यवस्था को वापस लेना - पूर्ण प्राधिकरण का टूटना। (xvi) मिश्रित समस्याएँ - हिंदू, मुस्लिम या सिख सांप्रदायिक तनाव बढ़ा।	Pg – 384-392	8

	(xvii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु या **महिलाओं के अनुभवों** i. महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, ii. अपहरण किया गया और बेच दिया गया। iii. अपरिचितों के साथ नई जिंदगी बसाने को मजबूर। iv. उन्हें गहरा आघात लगा। v. उन्हें उनके रिश्तेदारों से दूर कर दिया गया था। vi. अधिकारों को कमतर आंकना। vii. महिलाओं द्वारा अत्यधिक शारीरिक और मनोवैज्ञानिक खतरों का सामना किया गया। viii. अपने सम्मान को बचाने के लिए कई पुरुषों ने अपनी महिलाओं को मार डाला। ix. कई स्वेच्छा से दुश्मन से बचने के लिए कुओं में कूद गए, जबकि कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर हो गए। x. हमलावरों ने विजय प्राप्त करने के लिए महिलाओं के शरीर को क्षेत्र के रूप में माना। xi. लोगों ने प्रतिशोधात्मक रवैया इसलिए विकसित किया क्योंकि महिलाओं को बेइज्जत करना समुदाय को ही बदनाम करने के रूप में देखा गया। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी आठ बिंदुओं का आकलन किया जाना है।	Pg - 395-400	8
	SECTION - D		
28.	**पेड़ों और खेतों की सिंचाई करना।** (२ ९ .१) **मुगल काल के दौरान लाहौर में सिंचाई के स्रोत, उदाहरण के साथ**		

	समझाइए। a. पहिया सिंचाई। b. वे कुएं की गहराई के अनुरूप, उनके बीच लकड़ी के रस्सी के दो घेरे बनाते थे । c. धुरी पर एक और पहिया d. अंतिम पहिये को बैल के जरिये घुमाया जा ता था पहिया के एक छोर पर एक दूसरा पहिया तय हो जाता था कोई भी दो (2) (२ ९ .२) **आगरा में भूमि को सिंचित करने के लिए किस प्रणाली का उपयोग किया गया? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** a. लोग बाल्टी से पानी भरते हैं। b. अच्छी तरह से किनारे पर, वे लकड़ी का एक कांटा स्थापित करते हैं जिसमें कांटे के बीच एक रोलर समायोजित होता है, एक रस्सी को एक बड़ी बाल्टी से बाँधते हैं, एक रोलर के ऊपर रस्सी डालते हैं और इसके दूसरे सिरे को बैल से बाँधते हैं। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2) (२ ९ .३) **सिंचाई परियोजनाओं को मुगल राज्य का समर्थन कैसे मिला?** मुगल राज्य का समर्थन? a. राज्य ने नई नहरों की खुदाई का काम शुरू किया। (नहर, नाला) b. शाह नहर जैसे पुराने को दुरुस्त किया कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2)	Pg – 199	2+2+2 =6

29.	**मेरा मानना है कि अलग निर्वाचक मंडल अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती होंगे।** **(३०.१) "संविधान सभा में कुछ नेताओं ने पृथक निर्वाचकों की के लिए तर्क दिया"। कथन की जाँच करें।** a. सदस्यों ने विधानसभा में पृथक निर्वाचन प्रणाली के लिए तर्क दिया। b. बी पोकर बहादुर जैसे नेताओं ने पृथक निर्वाचकों की निरंतरता के लिए निवेदन किया। c. राजनीतिक प्रणाली में अल्पसंख्यकों के सद्भाव और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व के लिए। **d.** उन्होंने तर्क दिया कि समुदायों के बीच मतभेद को कम किया जा सकता है। e. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2) कोई भी दो अंक। **(30.2) प्रस्ताव के विरोध में गोबिंद बल्लभ पंत के परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण करें।** a. उन्होंने पृथक निर्वाचक के विचार का विरोध किया और इसे आत्मघाती माना। b. उन्होंने तर्क दिया कि अल्पसंख्यकों को स्थायी रूप से पृथक किया जाएगा और यह उन्हें कमजोर बनाएगा। c. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2) कोई दो। **(३०.३) भारत को एक मजबूत एकीकृत राष्ट्र बनाने के लिए किए गए तर्कों का विश्लेषण करें।** a. राजनीतिक एकता बनाने और राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए एक मजबूत केंद्र को महत्व दिया गया।		

	b. सभा सदस्यों ने अस्मिता पर जोर दिया। c. समुदायों को सांस्कृतिक संस्थाओं के रूप में मान्यता दी पर जोर दिया। और सांस्कृतिक अधिकारों का आश्वासन पर जोर दिया। d. वफादार नागरिक बनने के लिए लोगों को केवल समुदाय और स्वयं पर ध्यान केंद्रित करना बंद करना पर जोर दिया। **e.** कोई अन्य सापेक्ष **बिंदु। (2)** **कोई दो।**	Pg-418	2+2+2=6

30. **प्रभावती गुप्ता और दंगुन गाँव**

(२ (.१) **रानी प्रभावती गुप्ताने धार्मिक योग्यता अर्जित करने की कोशिश कैसे की**

प्रभावती गुप्ता ने धार्मिक योग्यता अर्जित करने का प्रयास किया

a. उसने जमीनें दान कर दीं।
b. उन्होंने आचार्य को सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित की।

कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2)

(२ (.२) **भूमि दान के असामान्य पहलू**

a. सैनिकों और पुलिसकर्मियों को दी गई भूमि।
b. जानवरों और कोयला प्रदान करने के दायित्व से छूट।
c. मदिरा खरीदने और नमक खोदने से मुक्ति
d. खानों और खादिरा के पेड़ों से मुक्ति
e. खनिज पदार्थ और खदिर से मुक्ति
f. फूल और दूध की आपूर्ति करने की बाध्यता से छूट।
g. प्रमुख और छोटे करों से छूट।
h. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2)

कोई दो।

28.3) **शिलालेख हमें राज्य और सामान्य लोगों के बीच के संबंध के बारे में क्या ब**

a. साधारण लोगों को राजा से उपज क हिस्सा मिलने की उम्मीद थी
b. उन्हें राज्य के आदेशों का पालन करना हो ता था ।
c. राज्य ने कृषि भूमि के विस्तार के लिए संभवतः छोटे भूखंडों का दान किया।

	SECTION - E		
31.	मानचित्र आधारित प्रश्न (31.1) संलग्न नक्शा देखें। (31.2) संलग्न मानचित्र देखें। Q.**No. के बदले में दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए** 31: (३१.१) मगध, पांचला, तक्षशिला, गांधार, कुरु, उज्जयिनी, वांगा, अंगा, वाजि, वत्स, मल्ल, कौशाम्भी, कोसल, कासी, मत्स्य, सुरसेना, असाका, अवंती, कम्बोज कोई तीन (31.2) आगरा, लाहौर, फतेहपुरसीकरी, शाहजहानाबाद (दिल्ली) कोई तीन	Pg-30	1x6=6 1x3 1x3 1x3 1x3

61/3/1 , 61/3/2 , 61/3/3

प्रश्न सं. 31.1 और 31.2 के लिए

For question no. 31.1 and 31.2